भोपाल, सोमवार 18 फरवरी 2013
पीपुल्स समाचार

i am BHOPAL

Very Smart.... Young at Heart

प्रस्तुति देते प्लेबैक सिंगर शंकर महादेवन।

फोटोः नवीन बेलवंशी

भोपाल, जिंदगी ना मिलेगी दोबारा

शंकर, एहसान, लॉय की तिकड़ी संग धमाल, जमकर झूमे भोपालीज

● यंग रिपोर्टर

आर यू रेडी भोपाल... आर यू रेडी... आई कान्ट हियर यू.... ये... तो तैयार हैं, आप सब हमारे साथ झूमने के लिए। कुछ इस तरह ऑडियंस से मुखातिब हुए संगीतकार एवं पार्श्वगायक शंकर महादेवन। वे रविवार को मप्र पर्यटन विभाग द्वारा आयोजित महाराजा भोज महोत्सव में प्रस्तुति दे रहे थे। उनके साथ थे एहसान नुरानी और लॉय मेंडोसा, उन्होंने दर्शकों का अभिवादन करते हुए कहा तैयार हो जाईए धमाल मचाने के लिए। कार्यक्रम की शुरुआत वक्रतुंड महाकाय सूर्यकोटी... से की। इसके बाद उन्होंने फिल्म दिल चाहता है के रॉकिंग सॉन्ग कोई कहे कहता रहे कितना भी हमको दीवाना... की प्रस्तुति दी। इस जबरदस्त प्रस्तुति से उन्होंने ऑडियंस में जोश भर दिया। क्या बच्चे और क्या बुजुर्ग सभी उनके गानों पर झूम रहे थे। इसके बाद दिल चाहता है कभी न बीते चमकीले दिन... और जिन्दगी ना मिलेगी दोबारा.... गाने की प्रस्तुति दी। उन्होंने ऑडियंस से कहा कि मैं जो गाना पेश करने वाला हूं, उसकी रिदम के साथ सभी गर्ल्स को डांस करना होगा। यदि किसी ने डांस नहीं किया तो मैं आगे गाना गाउंगा ही नहीं। इसके बाद कल हो ना हो फिल्म के गाने मैंने जिसे अभि अभि देखा है कौन है वो अंजानी... पर दर्शकों को खूब नचाया। भोपाल के लोगों में इतना जोश है, यह देखकर खुशी हो रही है। पहली बार हमें इतनी अच्छी ऑडियंस मिली है। तो उनके लिए पेश है, माई नेम इस खान फिल्म से यह सूफी गाना सजदा तेरा सजदा...। इसके बाद कल हो ना हो फिल्म का का टाइटल ट्रेक हर घड़ी बदल रही है रूप जिंदगी... और ओ आ टेक द वर्ड पेंट.. पेश किया। रंगीन लाइट्स और धमाकेदार म्यूजिक के साथ शुरू हुआ कार्यक्रम देर रात तक चला।

POISON
ANTI AGING PVT LTD
(BHOPAL ● INDORE ● PUNE)
Mob. 9893041643

रॉकिंग ऑडियंस

प्रस्तुति के दौरान ऑडियंस ने स्टेज पर पहुंच कर धमाल मचाया। उन्होंने भी ऑडियंस का स्वागत करते हुए मस्ती की। एक छोटे से ब्रेक के बाद वे दोबारा जैसे ही स्टेज पर पहुंचे तो ऑडियंस में पहले से ज्यादा उत्साह दिखाई दिया। इसके साथ ही उन्होंने ऑडियंस की फरमाइश का पूरा खयाल रखा।

हमारे बच्चे हैं यह गाने

यंग रिपोर्टर । गाने दो तरह के होते हैं, एक अच्छे और एक बुरे। जैसे शॉप में मेनीक्वीन को अलग-अलग ड्रेसेज पहना दी जाती है और वह कभी अच्छी लगती है और कभी अच्छी नहीं लगती। बस उसी तरह गाने भी होते हैं, जिन्हें ऑडियंस कभी पसंद करती है और कभी नहीं करती। यह कहना है संगीतकार एवं पार्श्व गायक शंकर महादेवन का। वे रविवार को मप्र पर्यटन विभाग द्वारा आयोजित महाराजा भोज महोत्सव में हिस्सा लेने आए थे। उनके साथ एहसान नूरानी और लॉय मेंडोसा भी उपस्थित थे। इस अवसर पर उन्होंने **आईएम भोपाल से खास बातचीत की।**

अभी तो बहुत कुछ बाकी है

हमारा म्यूजिक कैसा है, इसका फैसला म्यूजिक लवर ही बेहतर ढंग से कर सकते हैं। जहां तक हमारा सवाल है, हम जब भी पीछे मुड़कर देखते हैं, हमें हमेशा लगता है कि अब भी बहुत कुछ करना बाकी है। म्यूजिक में सिर्फ ट्रेंड बदलता है बाकी सब कुछ वैसा ही रहता है। पुराने गाने आज भी लोगों के जहन में ताजा हैं लेकिन हम उन्हें पार्टी में यूज नहीं कर सकते। इसके लिए आपको तड़क-भड़क म्यूजिक ही चाहिए होता है, बस शब्द सही होने चाहिए। अपने गानों की बात करूं तो यह गाने हमारे बच्चे हैं और किसी में फर्क करना मुश्किल हैं।

'एहसान' का एक्सपेरीमेंट

हम तीनों साथ में काम किया करते थे लेकिन एक दिन आइडिया आया कि कुछ एक्सपेरीमेंट करना चाहिए। प्लान नहीं किया था के क्या करना है, एक दिन फिल्म दस मिली और हम शुरू हो गए। मेरा मानना है कि लाइफ में एक्पेरीमेंट होते रहना चाहिए और यही हम अपने म्यूजिक के साथ भी करते है। हम तीनों विज्ञापन जगत से थे, तीनों साथ में काम करते-करते आखिर एक साथ आ गए और टीम बना ली।

'लॉय' की पसंद वायलिन

एहसान गिटार संभालते थे और मैं वायलिन बजाता था। शुरुआत में हम गाने के मेलोडी पार्ट पर काम करते थे। लेकिन पिछले 18 सालों से साथ काम करते हुए अब तीनों एक दूसरे की जिम्मेदारी संभाल लेते हैं और पहले से तय नही होता कि कौन क्या करेगा। हमको एस डी बर्मन, आर डी बर्मन, हेमंत कुमार और शंकर-जयकिशन का संगीत बेहद पसंद है। नए संगीतकारो मे विशाल भारद्वाज, एआर रहमान और अमित त्रिवेदी का संगीत सबसे ज्यादा भाता है।

शॉट ओके

अनिल शर्मा, निर्देशक

पीपुल्स लाइव फिल्म सिटी में निर्देशक अनिल शर्मा की फिल्म सिंह साहब दि ग्रेट की शूटिंग की जा रही है। रविवार को फिल्म का शॉट देते अभिनेता सनी देआल।

पसंद आ रहा भागपुरी सिल्क

● यंग रिपोर्टर

गौहर महल में वस्त्र मंत्रालय लारा संचालित शिल्पी मेला क्राफ्ट मेला-2013 में देश का बेहतर क्राफ्ट उपलब्ध है। मेले में मप्र, छत्तीसगढ़, राजस्थान, कर्नाटक, झारखंड, उत्तर प्रदेश सहित तमाम प्रदेश के बुनकरों एवं शिल्पकारों ने हिस्सा लिया है।

मध्यप्रदेश चंदेरी साड़ी, कॉटन सूट, बाघप्रिंट सूट, बुटिक सूट, टाप, फुलकारी, ड्रेस मटेरियल, छत्तीसगढ़ की कोसा साड़ी, ड्रेस मटेरियल, राजस्थान बेड शीट, कॉटन टाप, ड्रेस मटेरियल, बांधनी ड्रेस, कोटा साड़ी, अहमदाबाद के कॉटन टाप, बेड शीट, ड्रेस मटेरियल, मंगल गिरी ड्रेस मटेरियल, उड़ीसा की साड़ियां, उत्तरप्रदेश, बेड शीट, झांसी की बेड शीट, बनारसी साड़ियां एवं ड्रेस मटेरियल, लखनऊ की चिकन साड़ी, शर्ट, काथा वर्क, बिहार, भागलपुरी सिल्क, ड्रेस मटेरियल एवं साड़ियां, उत्तराखंड की कॉटन ड्रेस मटेरियल एवं सूट्स और भी बहुत कुछ मेले में सहारनपुर की कलाकृतियां आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। दुकानदार इरशाद मलिक बताते है कि दुकान पर 100 रुपए से लेकर 500 रुपए तक की सामग्रियां उपलब्ध है। वहीं कर्नाटक की कलाकृतियां लोग देखते ही खरीदने को उत्सुक हो रहे है। इसमें बच्चों के लिए जाइलोफोन, म्यूजिक हाउस, अलफाबेटिकल शब्द, कार, ट्रेन बेजीटेबल पेंट्स एवं लकड़ियों के बने है। इस दुकान पर 10 रुपए से लेकर 1000 रुपए तक के सामान उपलब्ध है। आप कागज, गोंद, खड़िया, फेवीकोल, मुलतानी मिट्टी से बने सामग्रियों को घर में जगह देना चाहते हैं तो फ्लावर, पाट, भगवान की मूर्ति भी खरीद सकते है।

ग्वालियर के संतोष नागवंशी बताते हैं कि ग्राहक इन सामानों का ज्यादातर प्रयोग घरों को सजाने या गिफ्ट के लिए खरीदते है। मेला दोपहर 2 से रात 10 बजे तक खुला रहेगा।

CITY Cinema

मर्डर-3
राज : 12:00, 3:00, 6:00, 9:00 बजे ☎ : 2742312
भारत: 12:00, 3:00, 6:00, 9:00 बजे ☎ :3291921
संगीत : 12:00, 3:00, 6:00, 9:00 बजे ☎ : 2774027
मुस्कान : 12:00, 3:00, 6:00, 9:00 बजे ☎ :

जयंतभाई की लवस्टोरी
रंभा : 12:00, 3:00, 6:00, 9:00 बजे ☎ :2768680
अल्पना : 12:00, 3:00, 6:00, 9:00 बजे ☎ :3299882

स्पेशल-26
ज्योति : 12:00, 3:00, 6:00, 9:00 बजे ☎ :2768680
रंगमहल : 12:00, 3:00, 6:00, 9:00 बजे ☎ :2774027

FUN CINEMAS
मर्डर-3 - 9.00, 10.45, 11.40, 1.30, 4.15, 7.00, 9.50, बजे।
जयंतभाई की...- 9. 20, 2.00, 4.50, 7.40, 8.30, 11.00 बजे।

एक्सीलेंस कॉलेज में वार्षिकोत्सव तरंग-2013

जो है अलबेला मद नैनों वाला...

● यंग रिपोर्टर

एक्सीलेंस कॉलेज में आयोजित वार्षिकोत्सव तरंग के तहत रविवार को एकल गायन एवं नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें तीन श्रेणियों में नृत्य प्रस्तुत किए गए। शास्त्रीय, भारतीय एवं पाश्चात्य। शास्त्रीय श्रेणी में शिव वंदना, भरतनाट्यम, एवं शिव तांडव की प्रस्तुति दी गइ। भारतीय श्रेणी में जो है अलबेला मद नैनों वाला..,रंग दे मुझे रंग दे.., तेरी दीवानी.., सहित अन्य गानों पर प्रस्तुति दी गई। पाश्चात्य श्रेणी में लत लग गई.., पाणी द रंग वेख के... गाने पर नृत्य पेश किए गए। इसके बाद एकल गायन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें प्रतियोगियों ने कभी-कभी मेरे दिल में खयाल आता है.., हीर हीर न आखां कोई.., जिया जिया रे... गीतों की प्रस्तुति देकर श्रोताओं को झुमन पर मजबूर कर दिया। इसके बाद सामूहिक नृत्य प्रस्तुति में छलका छलका रे.., राधा तेरी चुनरी.., रे मोरिया रे... गानों पर नृत्य प्रस्तुति देकर प्रतियोगियों ने दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। इस अवसर पर संचालक डॉ. प्रमिला मैनी, डॉ. नमिता श्रीवास्तव, डॉ. मीरा पिंगले, डॉ. अनिता देशपांडे, डॉ. नीरज अग्निहोत्री, डॉ. एसएस विजयवर्गीय सहित अन्य प्रोफेसर्स एवं समस्त स्टूडेंट्स उपस्थित थे।

'थ्रू कलर्स' समूह चित्र प्रदर्शनी आज

यंग रिपोर्टर । सक्रिय कला समूह कला समूह आर्ट-2020 द्वारा 18 से 20 फरवरी तक एक समूह प्रदर्शनी थ्रू कलर्स का शुभारंभ स्वराज भवन कला में किया जा रहा है। प्रदर्शनी का शुभारंभ भारत भवन के न्यासी सचिव पंकज राग द्वारा शाम 6 बजे किया जाएगा। प्रदर्शनी में भोपाल अजीज खां, बुरहानपुर से किशवर फरुख, मीता जौहर दत्ता, भोपाल की मोनिका जैन, भोपाल से साधना शुक्ला एवं ऊषा लोखंडे के चित्रों को प्रदर्शित किया जाएगा। इसमें लगभग 45 चित्र शामिल किए जाएंगे। प्रदर्शनी दोपहर 2 बजे से रात 8 बजे तक खुली रहेगी।

डॉक्यूमेंट्री में 26/11 का दर्द

यंग रिपोर्टर । अंतरराष्ट्री फिल्म महोत्सव बीआईएफएफ में युवा फिल्म निर्माता गौरी चड्ढा द्वारा निर्देशित डॉक्यूमेंट्री को सर्वश्रेष्ठ डाक्यूमेंट्री फिल्म पुरस्कार प्रदान किया गया। मुंबई विस्फोटों पर आधारित फिल्म 'गवाह-पर्दा गिरने के बाद के शो' वाहवाही के बाद मौन और मुस्कान के पीछे छुपे रुदन के बारे में है। बिजली के संवेदी अनुभव के साथ इस मूवी के माध्यम से हम सभी के सामने उजागर होता है। 26/11 के मुंबई आतंकवादी हमलों और 13 जुलाई को हुए सिलसिलेवार बम धमाकों से हमें रूबरू करते हुए। डॉक्यूमेंट्री में हमें उन आतंकी हमलों के पीड़ितों की उस पीड़ा और दर्द से रूबरू कराती है। गौरी के पास हॉलीवुड और बॉलीवुड की और भी कई प्रतिष्ठित मूवीज का क्रेडिट है, जिनमे मिशन इम्पॉसिबल, गांधी ऑफ द मंथ, डेविड, इश्क एक्चुली और लव ब्रेक अप्स जिंदगी सहित कई प्रमुख फिल्में शामिल हैं।

समारोह में प्रस्तुति देती भोजपुरी गायिका शारदा सिन्हा।

तार बिजली से पतले...

यंग रिपोर्टर । भारत भवन में रविवार को 31वीं वर्षगांठ के अवसर पर भोजपुरी गायिका शारदा सिन्हा के गायन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ उन्होंने कवि विद्यापथि द्वारा लिखित दुर्गा वंदन से किया। इस अवसर पर उन्होंने पूर्वी, भोजपुरी एवं मैथली भाषा के गीतों की मनमोहक प्रस्तुति दी। उन्होनें भोजपुरी गीत बिजली से पतले हमारे पिया...से श्रोताओं को मंत्र मुग्ध कर दिया। इसके बाद लोकगीत कहे तोसे सजना ये तोहरी... और काजल बिन बगिया न सजे मोरे राजा... की प्रस्तुति दी। इस अवसर पर उनके साथ तबले पर डॉ. अशोक सिंह, नाल पर अर्जुन कुमार चौधरी, बांसुरी पर मोहम्मर सइउद्दीन और बेन्जो पर शिव कुमार मेहता ने संगत दी। इफेक्ट भोलाप्रसाद स्वर्णकार ने दिया। इसके साथ ही सुबह के प्रथम सत्र में विख्यात फ्रेंच फिल्मकार त्रुफो के सिनेमा पर सिनेमा विशेषज्ञ संदीप चटर्जी ने व्याख्यान दिया।